

मेसर्स एनटीपीसी लिमिटेड विद्युत नगर टांडा, अम्बेडकर नगर उ० प्र० द्वारा प्रस्तावित 2×660 मेगावाट द्वितीय चरण के विस्तारीकरण की स्थापना से पूर्व परियोजना की स्थापना के सम्बन्ध में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुक्रम में दिनांक 30 सितम्बर, 2009 को पूर्वान्ह 11.00 बजे प्रस्तावित स्थल निकट – एनटीपीसी विद्युत नगर, जनपद अम्बेडकर नगर (उ० प्र०) पर लोक सुनवाई हेतु आयोजित बैठक की कार्यवृत्ति :-

उपरोक्त संदर्भित विद्युत इकाई की स्थापना के पर्यावरणीय क्लियरेंस के प्रस्ताव हेतु जिलाधिकारी, अम्बेडकर नगर द्वारा नामित उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में प्रस्तावित स्थल निकट एनटीपीसी विद्युत नगर अम्बेडकर नगर उ० प्र० में पूर्वान्ह 11.00 बजे "लोक सुनवाई" प्रारम्भ हुई जिसमें सर्वप्रथम लोक सुनवाई हेतु उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत एवं परिचय प्राप्त करने के उपरान्त लोक सुनवाई की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी।

- सर्व प्रथम क्षेत्रीय कार्यालय, उ० प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, फैजाबाद के सहायक पर्यावरण अधिकारी श्री देवमणि मिश्रा द्वारा लोक सुनवाई पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए अवगत कराया गया कि भारत सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अन्तर्गत आच्छादित परियोजनाओं की श्रेणी में प्रस्तावित योजना आच्छादित है। इस हेतु लोक सुनवाई जिला अधिकारी महोदय या उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि की अध्यक्षता में कराये जाने का प्रावधान है जिसमें प्रस्तावित परियोजना की स्थापना एवं पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों के सम्बन्ध में जन सामान्य से सुझाव तथा आपत्तियां आमंत्रित की जाती हैं। जिला अधिकारी महोदय, अम्बेडकर नगर द्वारा दिनांक 30.09.2009 को लोक सुनवाई की तिथि निर्धारित की गयी थी जिसके अनुक्रम में सदस्य सचिव उ० प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ द्वारा दो समाचार पत्रों क्रमशः दैनिक जागरण, में दिनांक 29.08.2009 तथा टाइम्स ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली में दिनांक 29 व 30.08.2009 को पर्यावरणीय क्लियरेंस हेतु लोक सुनवाई की सूचना प्रकाशित करायी गयी जो कि लोक सुनवाई तिथि से एक माह पूर्व सूचना प्रकाशित करना अनिवार्य होता है। तथा जिसमें जन साधारण से

Kr





आपत्तियां/सुझाव लिखित मांगे गये थे। दिनांक 29.09.2009 तक बोर्ड में किसी भी प्रकार की आपत्ति/सुझाव प्राप्त नहीं हुयी हैं।

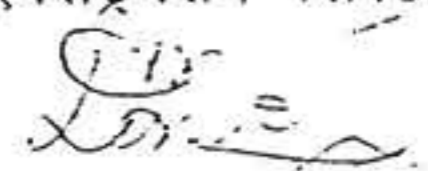
- लोक सुनवाई की कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए मेसर्स एनटीपीसी, टांजा के उप महाप्रबन्धक (पर्यावरण प्रबन्धन एवं राख उपयोगिता) श्री एस0 के) द्विवेदी द्वारा उक्त परियोजना के पर्यावरणीय पहलुओं पर इकाई द्वारा पूर्व में किये गये प्रयासों एवं वर्तमान में चल रहे कार्यों तथा प्रस्तावित इकाई की स्थापना के सम्बन्ध में पर्यावरणीय प्रबन्धन पर होने वाले कार्यों एवं दायित्वों पर अपनी प्रस्तुति की गयी।
- कार्यक्रम में अग्रेतर मेसर्स एनटीपीसी लि0 के उप महाप्रबन्धक (पर्यावरण अनियांत्रिकी) डा0 विजय प्रकाश द्वारा उक्त परियोजना के प्रत्येक परिदृश्य पर अपनी आख्या प्रस्तुत की गयी। इनके द्वारा अवगत कराया गया कि विद्युत इकाई द्वारा मुख्यतः चार प्रकार के प्रदूषण जनित होने की सम्भावना रहती है जिसमें जल, वायु, ध्वनि, मृदा प्रदूषण मुख्य है।

1. जल प्रदूषण – डा0 विजय प्रकाश द्वारा अवगत कराया गया कि प्रस्तावित इकाई में सरयू नदी द्वारा सिंचाई विभाग की अनुमति से कैनाल से 4400 घनमी0 प्रति घण्टा जल की खपत की जायेगी जो रिसाइकिल प्रक्रिया पर आधारित होंगे। जल का प्रयोग उद्योग में ब्यालर तथा अन्य प्रक्रिया में किया जायेगा। उद्योग से मुख्यतः दो प्रकार के उत्प्रवाह जनित होंगे जिसमें मेन प्लांट का एफ्लूएन्ट जिसका निस्तारण उत्प्रवाह शुद्धीकरण संयंत्र स्थापित करके किया जायेगा तथा ऐश पाण्ड एफ्लूएन्ट का निस्तारण दो ऐश पाण्ड के माध्यम से शुद्धीकरण संयंत्र स्थापित कर किया जायेगा। इसी प्रकार आवासीय परिसर से जनित उत्प्रवाह का निस्तारण सिवेज ट्रिटमेंट प्लांट को स्थापना करके किया जायेगा।

2. वायु प्रदूषण – डा0 प्रकाश द्वारा अवगत कराया गया कि उद्योग में वायु प्रदूषण मुख्यतः ब्यालर से जनित उत्सर्जन से होगा। प्रस्तावित उद्योग में 2100 टन स्टीम/घण्टा के 2 सुपर क्रिटिकल ब्यालर स्थापित किये जायेंगे तथा इनमें ईंधन के रूप में 20-22 हजार टन/दिन उच्च कोटि के कोयले का प्रयोग होगा तथा वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था के रूप में ई0एस0पी0 स्थापित की जायेगी तथा उत्सर्जन हेतु 275 मी0 की लंबाई की चिमनी स्थापित की जायेगी, इसके साथ ही ड्राई फ्लाय एश एक्सट्रैक्शन सिस्टम

KV





प्राविधानित किया गया है जिससे ऐश को चिमनी में जाने से पूर्व ही एक हापर में एकत्रित कर लिया जायेगा। जिससे उत्सर्जन पर प्रभावी नियंत्रण कर लिया जायेगा।

3. मृदा प्रदूषण - डा0 प्रकाश द्वारा अवगत कराया गया उपरोक्त प्रस्तावित इकाई की स्थापना अथवा संचालन से मृदा प्रदूषण की सम्भावनाएं न्यूनतम होगी। इकाई से किसी भी प्रकार का उत्प्रवाह सीधे जमीन पर नहीं डाला जायेगा तथा शोधित उत्प्रवाह का निस्तारण ड्रेन के माध्यम से सरयू नदी में किया जायेगा। इसी प्रकार कोल का तनुचित भण्डारण किया जायेगा तथा उत्सर्जन को बोर्ड मानकों के अनुरूप बनाया जायेगा तथा परिवेशीय वायु गुणता संरक्षित रखी जायेगी। आस-पास के क्षेत्रों में वृहत वृक्षारोपण किया जायेगा जिससे फ्यूजिटिव डस्ट पर प्रभावी नियंत्रण किया जायेगा तथा इससे मृदा प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकेगा।

4. ध्वनि प्रदूषण - डा0 प्रकाश द्वारा अवगत कराया गया कि प्रस्तावित इकाई में प्रक्रिया जनित ध्वनि प्रदूषण न्यूनतम होगा क्योंकि नवीन टेक्नॉलजी पर आधारित इकाई की स्थापना की जायेगी। इसके अतिरिक्त इकाई में समस्त प्रक्रिया कवर्ड कर की जायेगी तथा वृक्षारोपण के माध्यम से ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण किया जायेगा।

उक्त के सम्बन्ध में एनटीपीसी के पर्यावरणीय अभियांत्रिकी प्रकांड द्वारा इन्वायरमेंटल इम्पैक्ट अससमेंट का विस्तृत अध्ययन किया गया है तथा इस सम्बन्ध में विस्तृत विवरण ई0 आई0 ए0 में प्रस्तुत किया गया है।

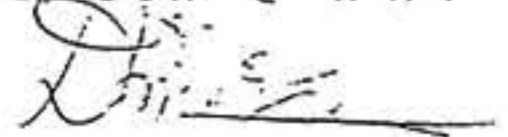
## प्रश्नोत्तरी

द्वारा - श्री नरेद्र देव त्रिपाठी निवासी- ग्राम हासिमपुर

प्र0-1 पूर्व स्थापित इकाई की स्थापना के समय 17 गांवों की लगभग 2000 एकड़ जमीन ली गयी थी। जमीन इस प्रकार ली गयी कि इसकी बाउण्ड्री टेड़ी-मेढी थी और गांव जोड़ दिये गये थे। प्रस्तावित ऐश डम्प टाण्डा नगर के निकट है। इससे टाण्डा का कण्डा उद्योग प्रभावित होगा, किसी भी नगर में ऐश पाण्ड नहीं लगाया जाना चाहिए। ऐश पाण्ड के कारण सैकड़ों एकड़ फसल हर साल नष्ट होती है। जब धरना प्रदर्शन होता था तो क्षति पूर्ति मिलती थी लेकिन एनटीपीसी द्वारा क्षति पूर्ति देना बन्द कर दिया गया। ऐश डम्प के कारण खेतों के आस-पास पानी जमा हो जाता है। गर्मी में धूल भरी आंधी चलती है राख उड़ते हैं तमाम

KL





लोग गम्भीर रूप से बीमार हैं। सारी फसलें काली हैं। इसी कोयले के प्रदूषण की वजह से पेड़ों पर फल लगना बन्द हो गया है। ऐश डम्प से सटे हुए 17 गांव हैं जो प्रभावित हो रहे हैं। नाले में एनटीपीसी का पानी जाता है जिससे जानवरों को छाले पड़ गये। गर्मी के दिनों में जब नदी का पानी कम हो जाता है तो गांवों के नलों में पानी कम आने की समस्या हो जाती है। ऐश के कारण फसल नष्ट हो जाती है। सैकड़ों एकड़ जमीन अनुपजाऊ हो गयी है। चिमनी के धुएँ की वजह से बरसात कम हो गयी है। बादल कट कर चला जाता है। आप का कहना है कि हम 275 मी० चिमनी बनायेंगे लेकिन बादलों से ऊपर धुआं जायेगा नहीं। अगर ये चिमनी लग गई तो यह देश वीरान हो जायेगा। अकबरपुर हवाई अड्डा को चिमनी से परेशानी होगी। वायु प्रदूषण के लिए पेपर में संयंत्र लगाये गये हैं पर किसी गांव में संयंत्र नहीं चल रहा है केवल दिखावे के लिए यह सब किया जाता है। हमारी जमीन तीन बार अधिग्रहीत की गयी और राज्य सरकार = 6000 रु० प्रति एकड़ मुआवजा दिया। किसानों ने नियम के अनुसार जमीन दे दिया पर एनटीपीसी द्वारा नियमों का पालन नहीं किया गया। तत्कालीन सरकार ने कहा कि हम एक ज़ादमी को नौकरी दे देंगे पर ऐसा नहीं किया गया अभी हमारा बकाया मुआवजा ही बाकी है। अगर 30 प्र० सरकार कानून का पालन नहीं करती, एनटीपीसी पालन नहीं करती तो हम कितना भी नहीं करेंगे। एनटीपीसी ने कुछ मामले स्वीकृत किये। प्रभावित किसानों की लिखित नुची बनाकर सनझौता किया गया कि नौकरी देंगे लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं किया गया। कितना हर तरफ से मारा जा रहा है। टाण्डा पम्प कैनाल के फीडर के कारण वोल्टेज को इतना कम कर दिया गया कि उससे कुछ नहीं हो सकता केवल एक लाइट जलती है। डेढ़ वर्ष से इन इस को झेल रहे हैं।

उ०- स्टेज-1 की परियोजना में कई एजेंसी शामिल थी। एनटीपीसी जो भी कार्य करेगी वो राज्य सरकार के नियमों के अनुरूप करेगी। नई इकाई से जो भी प्रदूषण होगा वो मानकों के अनुरूप होगा। वर्तमान प्लांट 30 साल पुराना हो गया। स्टेज-2 की इकाईयां नई-नई तकनीकों पर आधारित होंगी नयी इकाईयों के बारे में हम आश्वस्त हैं कि उनमें प्रदूषण बिल्कुल न्यूनतम होगा। आपने जो भी स्थानीय समस्याएँ उठायी उन पर उचित कार्यवाही की जायेगी। हमारी दो चिमनियां लगी है तीसरी चिमनी के लिए भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर दी गयी है। ऐश डम्प के चारों तरफ ड्रेन बनाया जायेगा तथा वर्तमान नालों की सफाई कर दी जायेगी।

12

①

*[Handwritten Signature]*

द्वारा - श्री राम वर्मा, निवासी- सलाहपुर, रजौर

प्र०- राज्य विद्युत परिषद द्वारा क्या किया गया क्या नहीं किया इससे हमें मतलब नहीं है। दस साल से परियोजना आप चला रहे हैं इस प्रदूषण के जिम्मेदार आप होंगे। हमको आकड़ें नहीं चाहिए हमको मौके पर कार्य चाहिए जो हमें दिखायी दें। आप वर्तमान में देख लें पत्तों पर आज भी राख मिलेंगी। प्रदूषण से लोग दुःखी है। जब यह परियोजना 1979 में लगायी गयी तो उस समय भी मानक थे। आपने अब तक कुछ सुधार किये परन्तु कुछ सुधार बाकी है। किसानों को विश्वास दिलाये कि इससे बड़ी मशीन लगेगी। बिजली सबकी समस्या है।

उ०- आपने यह स्वीकार किया कि कुछ काम किया गया है और कुछ बाकी है यह भी सही है। एनटीपीसी भारत सरकार की कम्पनी हैं। वह जो काम करेगी भारत सरकार के कानूनों के दायरे में रह कर ही करेगी। पुराना प्रोजेक्ट 1979 में बना था। 30 साल में तकनीकें बदल गयी हैं मशीनें भी बदल गयी है। नई - नई मशीनें आयेंगी जो अच्छे से अच्छा काम करेंगी। उनसे कम से कम प्रदूषण होगा यह हमारा आपको आश्वासन है।

द्वारा - श्री रामनसीर वर्मा, निवासी- हुसैनपुर सुधाना

प्र०- आपने एक लाख अस्सी हजार पेड़ों का जो आंकड़ा दिया वो आपके कालोनी में ही लगाया गया होगा। आजकल पर्यावरण पर कोई ध्यान नहीं दिया गया केवल मंच पर चिल्लाया जाता है। आप कहते हैं कि जो प्रोजेक्ट चल रहा है हमारा नहीं है यह खरीदा गया है। जब हम नया प्रोजेक्ट बनायेंगे तो अच्छा करेंगे। लेकिन इसकी देख रेख तो आप ही कर रहे हैं।

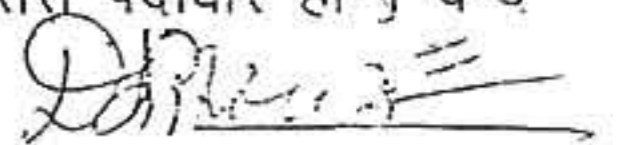
उ०- एक लाख अस्सी हजार पेड़ लगे वो एनटीपीसी की बाउण्ड्री वाल के अन्दर ही लगे यह बात सत्य है पर एनटीपीसी अपनी ही जमीन में पेड़ लगा सकती हैं किसी दूसरे की जमीन में नहीं। हम लोगों को जागरूक कर सकते हैं, प्रेरित कर सकते हैं, सहायता कर सकते हैं लेकिन दूसरे की जमीन में पेड़ नहीं लगा सकते हैं। पुराने प्रोजेक्ट में जहां तक सुधार की संभावना थी वहां तक सुधार किया गया। नये प्रोजेक्ट में नया डिजाइन होगा नई तकनीक होगी उसे नये तरीके से बनाया जायेगा। पुराने प्रोजेक्ट की तुलना नये प्रोजेक्ट से नहीं की जा सकती हैं।

द्वारा - श्री राम देव वर्मा, निवासी- ग्राम सम्हरिया।

प्र०- एनटीपीसी नाले को अपने यहां से न ले जाकर सम्हरिया से ले जाकर नदी में डालते हैं जिससे गावों के किनारे खेतों में 2 से 3 फिट राख जम गई है जिससे पैदावार होने बन्द

FL

5



हो गयी है। जब इतनी जमीन ली गयी तो उसका उपयोग क्यों नहीं किया गया? पहले 1700 लोग यहां काम करते थे आज एनटीपीसी 400 लोगों से काम चला रही है कैसे? अगर कोई भी संविधान बनता है तो केवल गरीबों के लिए बनता है अमीरों के लिए नहीं बनता है? यहां इतनी घनी आबादी तथा इतनी उपजाऊ जमीन हैं कि इसका आंकलन नहीं किया जा सकता है। इनका मनसूबा है कि हम इनको कुछ पैसा देकर जमीन हड़प ले। अगर इनके द्वारा हमारे बच्चों को नौकरी दी जाये तो हो सकता है हम कुछ सहमत हों। इनके द्वारा कहा गया कि पौधों को अपनी जमीन में ही लगा सकते हैं दूसरे की जमीन में नहीं तो फिर नाले के पानी को भी अपनी जमीन से क्यों नहीं लेकर जाया जाता है। दूसरे की जमीन से क्यों? इनकी दूषित मंशा हम कभी पूरी नहीं होने देंगे।

उ०— पौधों को हम अपनी ही जमीन में लगा सकते हैं लेकिन नाले को अपनी जमीन में कैसे बहाये। नदी-नाले प्राकृतिक हैं ये तो किसी बाउण्ड्री के अन्दर नहीं रह सकते। जहां तक जमीन के अधिग्रहण का सवाल है वह राज्य सरकार के नियमों के अनुसार किया जायेगा तथा प्रभावित व्यक्तियों को राज्य सरकार के नियमों के अनुसार मुआवजा तथा पुनर्वास सम्बन्धी सुविधायें दी जायेंगी। एनटीपीसी राज्य सरकार द्वारा निर्धारित समस्त नियमों को मानने के लिए प्रतिबद्ध है। अगर हर आदमी यह सोच लें कि हम अपनी जमीन नहीं देंगे तो देश एवं प्रदेश की आर्थिक स्थिति जस की तस ही बनी रहेगी।

द्वारा - श्री रमेश वर्मा, निवासी- ग्राम शरीफपुर

प्र०— जिस जमीन पर ऐश डम्प बनाया गया उससे हमें कोई एतराज नहीं है लेकिन उसने हमारे गांव का पानी जमा होता था जो अब तालाब के किनारे जमा हो जाता है जिससे हमारी फसल नष्ट हो जाती है। ऐश डम्प की राख से बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। नाले की सफाई के लिए हमने कई बार कम्प्लेन भी किया लेकिन उस पर कोई कार्यवाही नहीं की गयी।

उ०— इन प्रश्नों का जवाब हमारे द्वारा पहले ही दिया जा चुका है कि नाले की सफाई करवा दी जायेगी तथा उसमें फ्री फ्लो की स्थिति बनायी जायेगी जिससे उनकी समस्या का समाधान हो जायेगा।

100

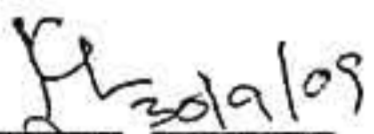
①  
-x-x-x-

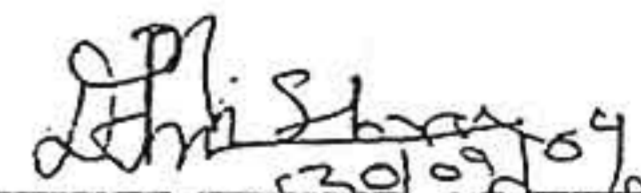
*[Handwritten Signature]*

• महा प्रबन्धक - श्री अरु एस० राठी, एनटीपीसी, टाण्डा -

हम बहुत ध्यान से इन लोगों की समस्या सुन रहे थे। हम आपकी भावनाओं का सम्मान करते हैं। सन्तु जरूर है समस्याओं का समाधान भी है वह भी होगा। सन् 2000 से एनटीपीसी चले आयी। प्लांट में बहुत सारी समस्यायें थी। एनटीपीसी ने बहुत सारे कार्य किये और बहुत सारे कार्य बाकी हैं। जो पुरानी मशीने हैं उनका नवीनीकरण किया जा रहा है। जब वह हो जायेगा तो इससे समस्यायें कम हो जायेगीं। लोगों ने अपनी समस्यायें बताते इन की समस्या बार-बार आयी। पानी ओवरफ्लो होकर बाहर आता है इन कमियों से हम दूर करेंगे। जहां तक मुआवजे की बात है तो केवल मुआवजा हर मसले का हल नहीं है। समय के साथ इन समस्याओं का हल जरूर होगा। एनटीपीसी पर्यावरण से जते पूरी तरह सचेत है। जहां तक नया प्लांट आने की बात है यह हम आपको बता दे चाहते हैं कि आप भाग्यशाली है। यह निर्णय हुआ है उ० प्र० सरकार की सहमति से कि यहां एक बिजली घर लगाया जाय। आप लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। हम इस बात का आश्वासन देते हैं।

अन्त में अध्यक्ष महोदय उपजिलाधिकारी टांडा, अम्बेडकर नगर द्वारा उपस्थित सदस्यों तथा लोक सुनवाई में भाग लेने वाले जन समुदाय को धन्यवाद देते हुए लोक सुनवाई में उठाये गये प्रश्नों के निराकरण हेतु निर्देशित किया गया। स्थानीय नागरिकों को उद्योग की स्थापना से कोई पर्यावरण संबंधी कठिनाई न हो, इसके लिए एनटीपीसी टांडा के प्रबन्धन से सजगता व तत्परता की अपेक्षा की गयी। लोक सुनवाई शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुयी। लोक सुनवाई की कार्यवृत्ति प्रस्तावित इकाई की अधिष्ठापना के सम्बन्ध में कार्यवाही हेतु सम्प्रेषित की जायेगी।

  
वैज्ञानिक सहायक  
उ० प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड  
फैजाबाद (उ० प्र०)

  
सहायक पर्यावरण अधिकारी  
उ० प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड  
फैजाबाद

  
उप जिलाधिकारी  
टाण्डा, अम्बेडकर नगर


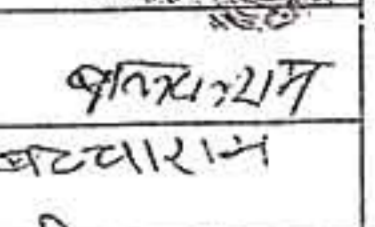
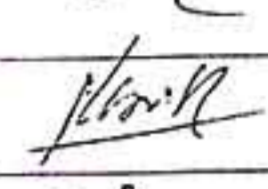


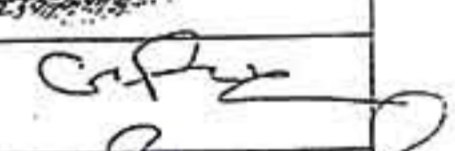
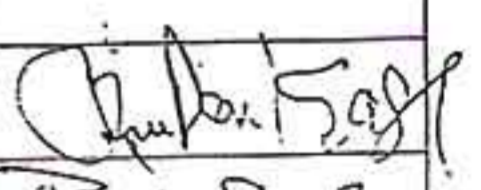

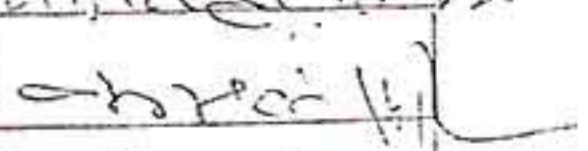
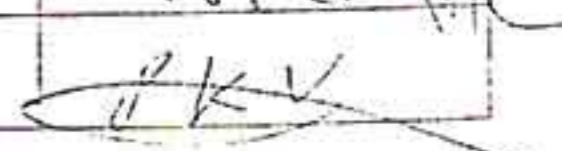
मेसर्स एनटीपीसी लिमिटेड टांडा, विद्युत नगर, जनपद-अम्बेडकर नगर (उ०प्र०) द्वारा प्रस्तावित 2 x 660 मेगावाट द्वितीय चरण के विस्तारीकरण की स्थापना से पूर्व परियोजना के स्थापना के संबंध में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना क्र. 14.09.2006 के अनुक्रम में दिनांक 30 सितम्बर 2009 को पूर्वाह्न 11.00 बजे प्रस्तावित स्थल निकट-एनटीपीसी विद्युत नगर, जनपद-अम्बेडकर नगर (उ०प्र०) पर "लोक सुनवाई" हेतु आयोजित बैठक में उपस्थितगण :-

क्रमांक	नाम	पता	हस्ताक्षर
	डा० हरिओम	जिलाधिकारी, अम्बेडकर नगर	
	श्री रामकृष्ण उता	अपर जिलाधिकारी (वि.ग.) अम्बेडकर नगर (उ.प्र.)	
	श्री देवनाथ मिश्र	सहा. पंचायत अधिकारी, उ.प्र. पंचायत नं. 3012, वि.नं. 1000	श्री देवनाथ मिश्र
	श्री क्षीतिज पटेल	वैधानिक जिलाधिकारी, उ.प्र. पंचायत नं. 3012 जिला नं. 1000	
	श्री बी. रमेश सिंह	उप जिलाधिकारी टांडा अम्बेडकर नगर	
	श्री आर. रमेश शर्मा	महासंचालक एन टी पी सी टांडा	श्री आर. रमेश शर्मा
	श्री रमेश चंद्र	अपर नर प्रबंधक एन टी पी सी टांडा	श्री रमेश चंद्र
	श्री सुरेश कुमार शर्मा	डा. नरेश चंद्र शर्मा एन टी पी सी टांडा	श्री सुरेश कुमार शर्मा
	श्री ॥ प्रदीप ॥	श्री ॥ प्रदीप ॥ एन टी पी सी टांडा	
	राज कृष्ण नागर	कपूर बाजार प्रताप (परमाजना) टांडा	राज कृष्ण नागर
	वल्लभ बलु	एन टी पी सी, दिल्ली	
	अशोक कुमार शर्मा	बाबू बाजार अम्बेडकर नगर	अशोक कुमार शर्मा
	श्री ॥ लाल ॥	श्री ॥ लाल ॥ अम्बेडकर नगर	श्री ॥ लाल ॥
	सन्तराम	श्री ॥ लाल ॥	सन्तराम
	श्री ॥ जय ॥	फरीदपुर कार्यालय	श्री ॥ जय ॥
	शिवकुमार तिवारी	डांडा	शिवकुमार
	रघुवीर गोठिया	मादवपुर	रघुवीर गोठिया
	पावन तिवारी	इलाहिमपुर	पावन तिवारी
	अनाजान झा	कल्याणपुर	अनाजान झा
	फूलचन्द्र	गजेमापुर	फूलचन्द्र
	लक्ष्मण लाल	डांडा	लक्ष्मण लाल
	श्री ॥ लाल ॥	श्री ॥ लाल ॥	श्री ॥ लाल ॥
	श्री ॥ लाल ॥	श्री ॥ लाल ॥	श्री ॥ लाल ॥
	श्री ॥ लाल ॥	श्री ॥ लाल ॥	श्री ॥ लाल ॥






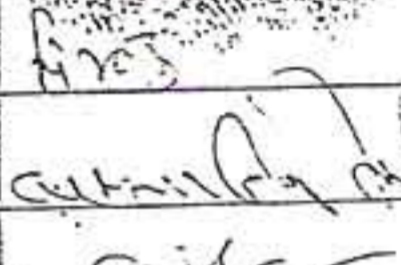
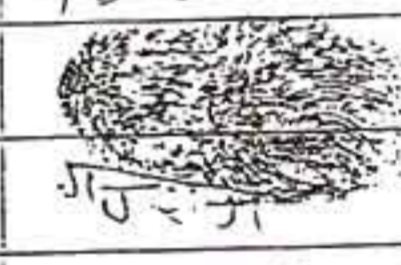
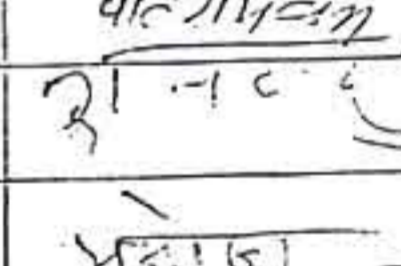
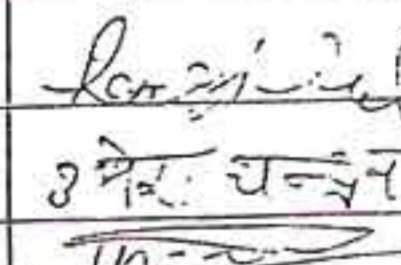
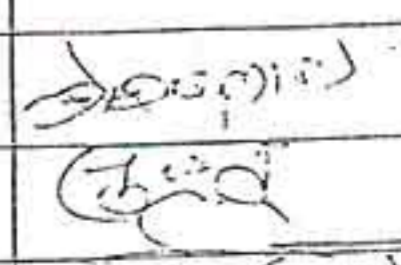

# उपस्थिति विवरण

दिनांक 30/09/09

क्रमांक	नाम	पता	हस्ताक्षर
	म. शरान	हु. मं. पुर सुधान	
	राजि राम	हु. मं. पुर सुधान	
	बालक राम	हु. मं. पुर	बालक राम
	बटवाराम	ग्राम - सालाह पुर रजौर	बटवाराम
	दीपच-दु	ग्राम सालाह पुर रजौर	दीपच-दु
	नन्देलाली	ग्राम खेहू गाँव	नन्देलाली
	राजि राम शंका	ग्राम बाजाल पुर	राजि शंका
	शुक्ल व. म.	रजौर	
	रामकवक	सालाह पुर रजौर	रामकवक
	राजेश राम	सालाह पुर रजौर	
	मेवा लाल	सालाह पुर रजौर	मेवा लाल
	सी राम	सालाह पुर रजौर	सी राम
	राम शंका	सालाह पुर रजौर	राम शंका
	कुलसौराज	सालाह पुर रजौर	
	पंचम	सालाह पुर रजौर	
	ग. ग. गुलाबी लाल	रजौर	
	उ. ग. लाल लाल	सालाह पुर	उ. ग. लाल लाल
	कै. म. काशी	र. ह. पुर	
	राजेश च.	व. र. रिया	राजेश च.
	वंशी लाल लाल	हु. मं. पुर सुधाना	वंशी लाल लाल
	सत्यनारायण	हु. मं. पुर सुधाना	सत्यनारायण
	श्री राम	रजौर	
	मि. च. देवमा	हु. मं. पुर सुधाना	मि. च. देवमा
	Anoop Verma	Hundiapur Sudhaha	Anoop
	रामचन्द्र लाल	हु. मं. पुर सुधाना	रामचन्द्र लाल
	कि. म. पि. ल.		
	Pramo - Verma	र. ह. गाँव	

उपस्थिति विवरण


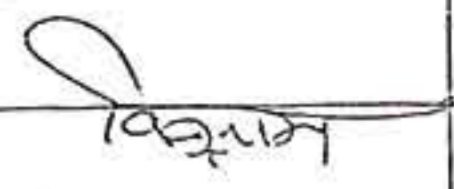





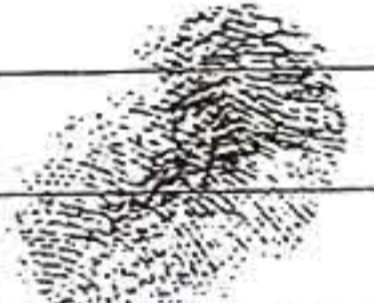
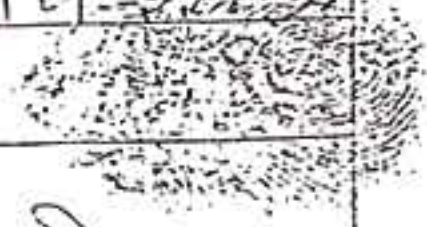
दिनांक 30/07/19

क्रमांक	नाम	पता	हस्ताक्षर
	अब्दुल अबाद	खरटे गाँव	
	शाम (पुत्र)	दागापुर	शाम (पुत्र) /
	भदव्य वमी	हुसैनपुर सुधाना	
	आदित्य प्रसाद शुक्ल जिला पंचायत सदस्य	फतेपुर खरटे गाँव	
	मूहियर		
	फिराज अहमद	खरटे गाँव	
	सय्यद अहमद	खरटे गाँव	
	दीपचन्द्र	सोनाहरा	
	राम अमौर	सोनाहरा	
	जि. जराजवमी	अनुवापुर	
	Bhikshu + Raju + Usha	Husainpur Suadhana	
	पतिराजवमी	शरीफपुर (जलवापारा)	
	राजबालकृष्ण लाल	खरटे गाँव	
	मनोदा जीवार लाल	"	
	अनिल कुमार	फतेपुर	
	संगी लाल	वापिपुर	
	उमेश चन्द्र वमी	वापिपुर	
	मूलचन्द्र विश्वनाथ	महाद्वारा	
	अशोक चन्द्र	लाहौर	
	अशोक लाल	अलाहपुर खरटे	
	सुभाष	खरटे गाँव	
	सुभाष चन्द्र वमी	शरीफपुर	
	पवन सुभाष	अमरिया	

उपस्थिति विवरण दिनांक 30/09/2009

क्रमांक	नाम	पता	हस्ताक्षर
	राजेश	मकदूम नगर	राजेश
	विजय कुमार	कुसेपुर	
	मुन्नीलाल	जोगापुर	
	शोभा राय	गजियापुर	
	भुलई	केराट नगर	
	रंजनी	मलापुर	
	मुन्नीलाल	माहरपुर	मुन्नीलाल
	विजय कुमार	मकदूम नगर	विजय कुमार
	कुमार प्रसाद	मकदूम नगर	कुमार प्रसाद
	नन्दलाल	लडनपुर	नन्दलाल
	जगदंबा सिंह	कुगापुर	
	बुधिसागर	अमरपुर	
	शान्ति कान्त	कुसेनपुर सुधाना	
	राजू	काहमी	राजू
	रामपाल	गणेशपुर	रामपाल
	पुष्पा कान्त	सेनपुर	पुष्पा कान्त
	शीलाल	गजियापुर	
	विनय	गजियापुर	विनय
	रामदास	लडनपुर	
	अमिता	लडनपुर	अमिता
	शिवदास	हसनपुर साधाना	शिवदास
		हसनपुर	
	गणेश	मलापुर	गणेश
	शोभा राय	जोगापुर	शोभा राय
	पदम	कुसेनपुर सुधाना	पदम
	शिवदास	कुसेनपुर सुधाना	शिवदास
	रामदास	हसनपुर सुधाना	रामदास
	गणेश कुमार	हसनपुर सुधाना	गणेश कुमार



क्रमांक	नाम	पता	हस्ताक्षर
	मंगरु	रजौर	
	रामदास कल्याण	बड्डपुर	रामदास कल्याण
	पतिराज	रजौर	
	विक्रम	बड्डपुर	विक्रम
	रामआशर	दशगापुर	
	सुभाष	मरुतपुर	
	विनय	दारीपुर	विनय
	रवी	खैरपुर	
	नारायण	बनशिवपुर	
	रामपाल	नाजपुर	
	लाल	खट्टेगाँव	
	शाली	गिरधराम	
	राजेंद्र	मीरापुर	
	सोपान	खट्टेगाँव	सोपान
	शंकर	मीरापुर	शंकर
	नरेश	खट्टेगाँव	नरेश
	प्रदीप	करीमपुरी	प्रदीप
	शोभा	रजौर	शोभा
	आशु	मीरापुर	
	सौरभ	मीरापुर	सौरभ
	विजय	रजौर	विजय
	विनय	रजौर	विनय

क्रमांक	नाम	पता	हस्ताक्षर
	अमर नारायण	कैलाशपुर (म)	अमर नारायण
	राजमहाल	साम्हरिया	राजमहाल
	राजेश्वर	सांझापुर	राजेश्वर
	जगदीश	गाजियापुर	जगदीश
	वीरन्त कुमार वर्मा	साम्हरिया	वीरन्त वर्मा
	रावबैरा	गाजियापुर	रावबैरा
	रामे जीत वर्मा	लमहरिया	राम जीत
	सुप्रभा चन्द्र	सुप्रभा	सुप्रभा
	अनन्दा	साम्हरिया	अनन्दा
	हुन्दे लाल	हुसेनपुर सुधागा	हुन्दे लाल
	इन्द्र	हुसेनपुर सुधागा	इन्द्र
	गोविन्द	दशिया	गोविन्द
	मुन्शी राधे	मल्लिखपुर राधे	मुन्शी राधे
	रामेश्वर	म	रामेश्वर
	विपिन कुमार	रवरीगाँव	विपिन कुमार
	रमेश्वर	सुप्रभा	रमेश्वर
	राजेश्वर (सुधागा)	सांझापुर	राजेश्वर
	शु-दाली	हुसेनपुर	शु-दाली
	राजेश्वर	हुसेनपुर	राजेश्वर
	Hary Verma	हुसेनपुर	Hary Verma
	द्वारा कल	रजा	द्वारा कल
	बदराम	मल्लिखपुर रजा	बदराम
	संतोष	सुधागा रजा	संतोष
	S.P. Verma	सुधागा	S.P. Verma
	द्वारा कल	सांझापुर	द्वारा कल
	अनन्दा	गाजियापुर	अनन्दा
	रामेश्वर	सांझापुर	रामेश्वर
	द्वारा कल	सांझापुर	द्वारा कल

क्रमांक	नाम	पता	हस्ताक्षर
	S. N. Verma	S. N. Nathi Patti	
	मनमोहन	शारदापुर	
	रमेश चन्द्र	राजपुर	
	रमि नाथ	रजौर	
	जगु राम	समापुर रजौर	
	रामनरेणु	कनराही	
	शक्ति सहज	दासिमपुर	
	विक्रमजीव वकी	बाजिपुर	
	राजेंद्र	इलाहाबाद	
	गोशरीराम	इलाहाबाद	
	रमेश चन्द्र	सिलाहपुर रजौर	
	रामलौट	राममपुर	
	मनमोहन	इलाहाबाद	
	उदर राम	सिलाहपुर रजौर	
	मधुसूदन	कनराही	
	विजय चन्द्र	इलाहाबाद	
	राजेंद्र-रजौर	राजपुर	
	विजय	विजयपुर	
	हरिप्रसाद	इलाहाबाद	
	मनमोहन	इलाहाबाद	
	मो. मी. म.	विजयपुर	
	मनमोहन	इलाहाबाद	
	विजय चन्द्र	इलाहाबाद	
	मनमोहन	इलाहाबाद	
	उदर	इलाहाबाद	
	इलाहाबाद	इलाहाबाद	
	रामलौट	इलाहाबाद	
	करीम उदर	इलाहाबाद	
	इलाहाबाद	इलाहाबाद	

क्रमांक	नाम	पता	हस्ताक्षर
	महेश कुमार	साहसी (21)	महेश कुमार
	चंद्र लाल	रजौरी गलाह कुल	चंद्र लाल
	वेद प्रकाश	Rooshanpur	Ved Prakash
	सत्य वरमा	मिरापुर	सत्य वरमा
	Sudhir	Ronypur	Sudhir
	गुणवर्धन	हैदराबाद	गुणवर्धन
	बदरुद्दीन	खैरगंज	बदरुद्दीन
	विवेक	मीरापुर	विवेक
	उमेश	नौरापुर	उमेश
	राजेश गुप्ता	हाथरगंज कुल	राजेश गुप्ता
	रामायण	समरिया	
	राजेश गुप्ता	<del>खैरगंज</del> मीरापुर	राजेश गुप्ता
	विश्वनाथ	खैरगंज	विश्वनाथ
	समय	काशी	समय
	राजेश	खैरगंज	राजेश
	सत्यवर्धन	रजौरी	सत्यवर्धन
	Anu Anand	हीरापुर	Anu Anand
	विश्वनाथ	खैरगंज	विश्वनाथ
	रामेश	खैरगंज	
	विश्वनाथ	खैरगंज	
	अशोक गुप्ता	खैरगंज	अशोक गुप्ता
	जगदीश	रजौरी (खैरगंज)	जगदीश
	एतानंद	खैरगंज	एतानंद
	सत्यवर्धन	हुसैनपुर सुहागा	सत्यवर्धन
	रामेश्वर	खैरगंज	



